

## मेवाड़ राजपरिवार के महेंद्र सहि मेवाड़ का नधिन

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में पूर्व सांसद और मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सहि मेवाड़ का उदयपुर में नधिन हो गया। वे [महाराणा प्रताप](#) के वंशज थे।

### मुख्य बदि

- महाराणा प्रताप:
  - राणा प्रताप सहि, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 9 मई, 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
  - वह मेवाड़ के 13वें राजा थे और उदय सहि द्वितीय के सबसे बड़े पुत्र थे।
  - महाराणा उदय सहि द्वितीय ने चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाकर मेवाड़ राज्य पर शासन किया।
    - उदय सहि द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक भी थे।
- हल्दीघाटी का युद्ध:
  - [हल्दीघाटी का युद्ध](#) 1576 में मेवाड़ के राणा प्रताप सहि और आमेर के राजा मान सहि, जो मुगल सम्राट अकबर के सेनापति थे, के बीच लड़ा गया था।
  - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध लड़ा लेकिन मुगल सेना से हार गये।
  - माना जाता है कि महाराणा प्रताप के नषिठावान घोड़े चेतक ने युद्ध के मैदान से लौटते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।
- पुनर्विजय:
  - 1579 के बाद मेवाड़ पर मुगल दबाव कम हो गया और प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर और गोगुंदा सहित पश्चिमी मेवाड़ को पुनः प्राप्त कर लिया।
  - इस समय के दौरान, उन्होंने आधुनिक डूंगरपुर के नकित एक नई राजधानी चावंड की स्थापना भी की।
- मृत्यु:
  - 19 जनवरी, 1597 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके पुत्र अमर सहि ने उनका स्थान लिया, जिन्होंने 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर के अधीन हो गए।



## प्रताप गौरव केंद्र

- यह राजस्थान के उदयपुर शहर में टाइगर हलि पर स्थिति एक पर्यटन स्थल है।
- इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक की सहायता से महाराणा प्रताप और कर्षेत्र की ऐतिहासिक वरिसत के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराना है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahendra-singh-mewar-from-mewar-royal-family-passes-away>